(d) Interest of indigenous industry is safeguarded hrough the import policy and appropriate tariff mechanisms.

प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को लोकप्रिय बनाया जाना

2247. **श्री अटल बिहारी वाजपेयी :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा दिए जाने के लिए सरकार द्वारा अभी तक क्या-क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ख) उनके क्या-क्या परिणाम निकले हैं

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रशीद मसूद) : (क) योग और प्राकृतिक चिकित्सा के विभिन्न पहलुओं में वैज्ञानिक अनुसंधान शुरू करने, सहायता प्रदान करने तथा उसमें तालमेल रखने और संबंधित संस्थाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने दिल्ली में केन्द्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सी सी आर वॉय एन) की स्थापना की है। यह परिषद अनुसंधान करने और प्रशिक्षण देने के लिए देश के विभिन्न भागों में अनुसंधानोन्मुख योजनाओं को चलाने के लिए स्वैच्छिक प्राकृतिक चिकित्सा संस्थानों को आर्थिक सहायता देती रही है। यह परिषद योग और प्रा तिक चिकित्सा संबंधी अनुसंधान पत्रिका के प्रकाशन, प्रचारात्मक सामग्री, कार्यशालाओं संगोष्ठियों, सम्मेलनों इत्यादि के आयोजन के लिए भी आर्थिक सहायता देती है। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक चिकित्सा के विकासार्थ पुणे में एक राष्ट्रीय चिकित्सा संस्थान (एन आई एन) की भी स्थापना की जा रही है।

(ख) श्वसन विकारों, संधिशोध, रक्तचाप, मधुमेह, त्वचा संबंधी रोगों, बृहदांत्रशोथ, कब्ज, जठरांत्र विकारों, मोटापा, कुष्ठ इत्यादि के उपचार में आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं।

गैस के उत्पादन के लिए कूड़े-कचरे पर आधारित परियोजनायें

2248. **श्री बलराम सिंह यादव :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश के विभिन्न भागों में, विशेष रूप से गुजरात और महाराष्ट्र में गैस और विद्युत उत्पादन के लिए, शहरी, ग्रामीण और औद्योगिक कूड़े-कचरे पर आधारित कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की गई थीं;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि इन परियोजनाओं का मूल्यांकन सरकार द्वारा किया गया था– और यदि हां, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है, और क्या सरकार इन परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में कोई योजना बनाने का विचार रखती है; और

(ग) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में ब्यौरा क्या है?

ऊर्जा मंत्री, साथ में नागर विमानन मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार (श्री आरिफ मोहम्मद खान) : (क) जी, हां।

(ख) और (ग) आवधिक अनुमानों से यह पता चलता है कि मोटे तौर पर ये परियोजनाएं सन्तोषजनक रूप से कार्य कर रही हैं। अपशिष्ट पुनः चक्रण और संसाधन प्रतिप्राप्ति प्रणालियों के आधार पर आठवीं योजना अवधि के दौरान इस कार्यक्रम को और आगे विकसित किए जाने का प्रस्ताव है। आठवीं योजना को अंतिम रूप दे दिए जाने के बाद, इसके विवरणों का पता चलेगा।

Cost of production of mopeds, two-wheeler and three-wheeler scooters

2249. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) what are the names of the companies which manufacture mopeds, two-wheeler and and three-wheeler scooters;

(b) what is the production of each company during the last three years, year-wise; and

(c) what is the cost of production of the vehicle, exclusive of taxes, company-wise and vehicle-wise.

THE MINISTER OF INDUSTRY (SHRI AJIT SINGH): (a) and (b) A statement is enclosed at Annexure. [*See* Appendix CLV Annexure No. 78]

(c) The cost of production in respect of various manufacturers will differ for various vehicles and models. The Net Dealer Price (ex-factory price before excise duty, other levies and dealer's commission available from Association of Indian Automobile Manufacturers is enclosed at Annexure (See Appendix CLV Annexure No. 79]

मध्य प्रदेश में छोटे मध्यम और बड़े पमाने के उद्योगों में रुग्ण एकक

2250. **श्री अजीत जोगी** : क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में मध्य प्रदेश में छोटे, मध्यम और बड़े पैमाने के उन औद्योगिक एककों की संख्या कितनी है, जो रुग्ण एककों की श्रेणी के अन्तर्गत आते हैं और जिसके परिणाम-स्वरूप कितने कर्मकारों पर प्रभाव पड़ा है ; और

(ख) इन एककों को फिर से खड़ा करने के लिए क्या प्रयास किये जा रहे हैं और इस दिशा में केन्द्र सरकार द्वारा की जा रही पहल का ब्यौरा क्या है ?

उद्योग मंत्री (श्री अजीत सिंह) : (क) देश में बैंकों द्वारा सहायता प्राप्त रुग्ण औद्योगिक एककों के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एकत्र किये जाते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मध्य प्रदेश में जून, 1988 के अन्त तक लघु औद्योगिक तथा गैर लघु औद्योगिक श्रेणियों के अन्तर्गत रुग्ण लघु, मझौले व बड़े औद्योगिक एककों की संख्या इस प्रकार बताई गई है :–

गैर लघु औद्योगिक रुग्ण एककों की संख्या	लघु औद्योगिक रुग्ण एककों की संख्या
36	12,407
*	

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एकत्र आंकड़ों में प्रभावित कर्मचारियों की संख्या नहीं दी गयी है।

(ख) रुग्ण औद्योगिक एककों की पुनर्स्थापना के लिए भारत सरकार की पूरे देश के लिए एक समान नीति है। इसके कुछ महत्वपूर्ण पहलू इस प्रकार हैं :–

(1) सरकार ने एक व्यापक कानून अर्थात् 'रुग्ण औद्योगिक कम्पनी (विशेष उपबन्ध) अधिनियम 1985 बनाया है। इस अधिनियम के अधीन "औद्योगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (बी० आई०एफ०आर०); नामक एक अर्ध न्यायिक निकाय का स्थापना की गई है, जिसका उद्देश्य रुग्ण औद्योगिक कम्पनियों की समस्याओं से कारगर ढंग से निपटना है। इसने 15 मई, 1987 से कार्य करना शुरू कर दिया है।

(2) भारतीय रिजर्व बैंक ने मानीटरी प्रणाली को सुदृढ़ बनाने और औद्योगिक रुग्णता का प्रारंभिक अवस्था में ही पता लगाने के लिए बैंकों को मार्गदर्शी सिद्धान्त जारी किये हैं ताकि समय पर सुधारात्मक उपाय किए जा सकें।

(3) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जीव्यक्षम इकाइयों को पुनर्जीवित करने के लिए पुनःस्थापना पकेज तैयार करने के भी बैंकों को निदेश दिए गये हैं।